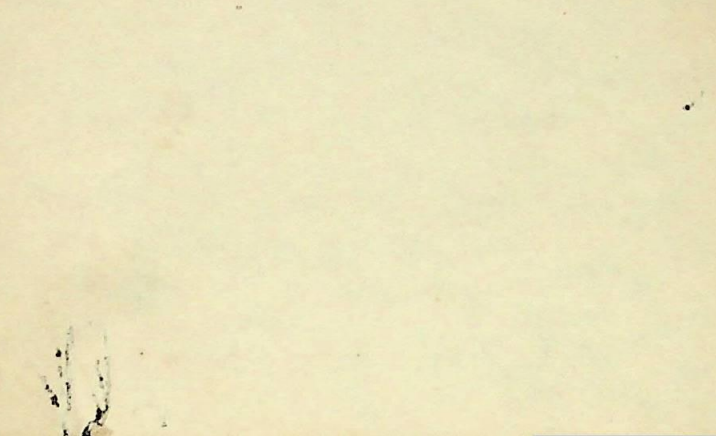


Miscellaneous (3)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

Vi. 69.47



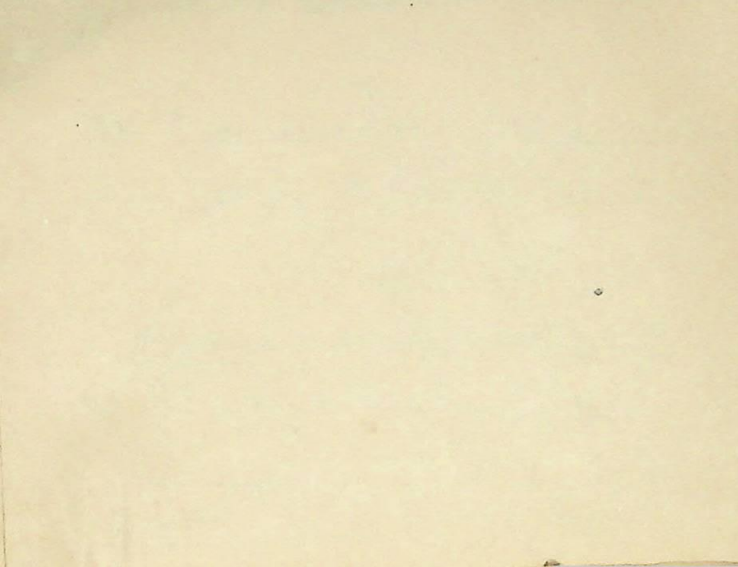
Cc

गृह्य गार्ग्यः पृथो
होतृमान् महावृक्षः ॥

Vi. 74. 24.

ता. सर्वं हुमान् गृह्य
इति उ मागं हुमं वीति ।

Vi. 74. 34.



See

संज्ञासूची: गुणादि गुण
सूची ५: अक्षरानुसंधानः |

V: 76.13.



Can

७५१३४८९ पालिचं गुरु

इयं राशिमिलमयम् ॥
०

Vi. 98. 6.

Om

दाहिनामि मुखः सर्व
गुरु वाङ्मनि मे, जिरे।

Ur. III. 110.



142 वसन्ति ग. दामो

दृष्ट वसन्ति ग. दामो |

Vi. 1 2 3. 3 2



ਮਾਨੀਤ ਕਾਤ ਕੇ ਸੁਖ

ਮਾਨੀਤ ਕਾਤ ਕੇ ਸੁਖ

Vil. 26. 8.



Urs

ਮਾਂ ਤਿਥਲਾਂ ਜੁਧ
ਜਿਯਾ ਮੇਰੇ ਹਿਰਾਜੀ ਜੀ॥

V. 10. 40.



Cars

ਸਤਨਾਮੁ ਨਾਮੁ : ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ

ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ : ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ

V. 18. 12



Ura

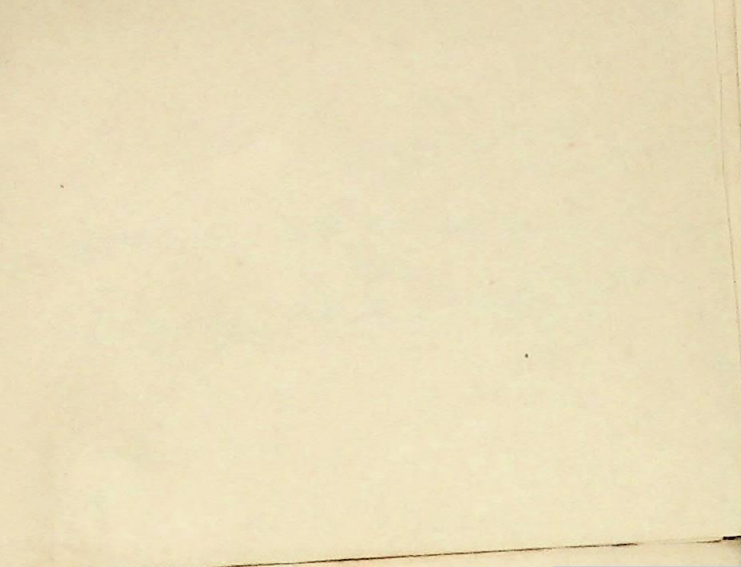
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
पुनर्विष्टा गोमय हृदये ॥
V. 27. 33.



Ulu

ਸਾਸੇ ਲੋ ਗੁਰੂ ਸਾਚੇ ਨ
ਲਾਜ ਸਾਚੇ ਸਾਚੇ ਸਾਚੇ ॥

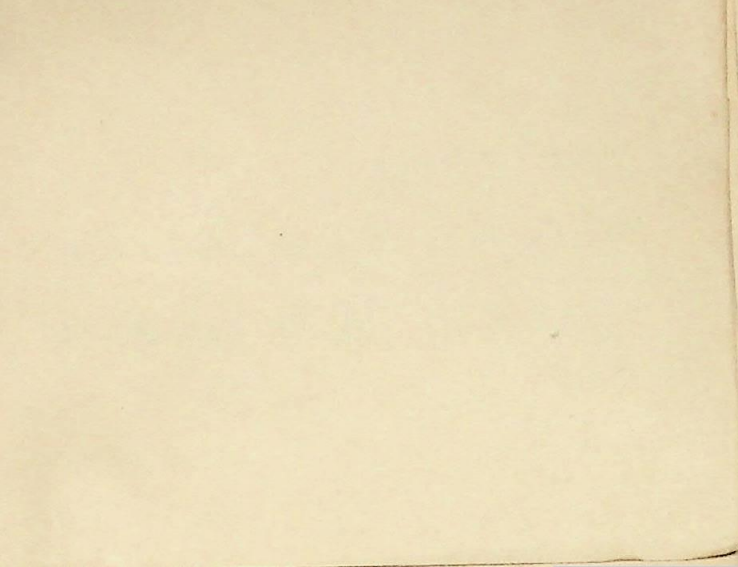
V. 37. 64.



Om

मामि लो गृह्य मा २३६
तत्तस्मै सुदृशं भवेत् ॥

V. 37. 64.



Can

हम दमि. सं. २०११, ११

॥ हम जो ११-११-११ ॥

V. 3 8-29

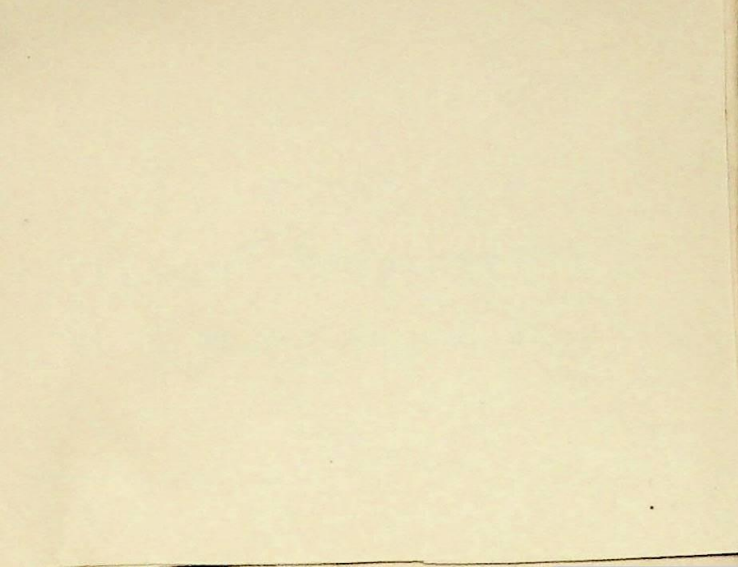


Co. 1

स ते मा नि वरं गृह्य

श्रीमान् पुत्रास्तनयः ॥

V. 40-19.



Len

ਮਾਧਿਸ਼ ਲੋ ਲੋਂ ਪੁਰ

ਦੁਆਰਾ ਤੇ ਦੁਆਰਾ

V. 478. 35.

Ums

Ums 1913:

U. 53.39.



ते ५७ वाः वा २ पा ३० सु
गु ३५ २१२ वा म ना धि वाः

V. 57. 26.

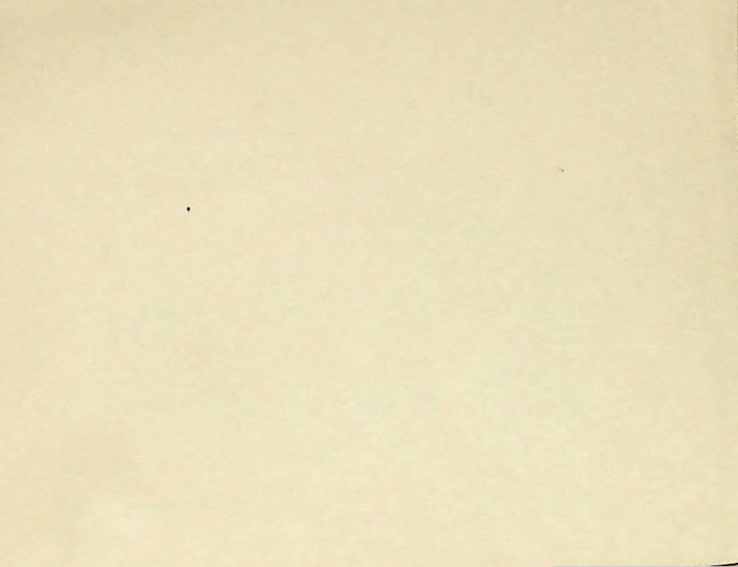


Can

गङ्गायामं पारिषं गङ्गा

गङ्गायामं पारिषं गङ्गायामं

V. 58. 157.



Class

१५४२२ वृक्ष मूलो ७

२॥१२४ ५२० ०८०० —

१६०० ताः ॥

V. G 2. 11.



Cen

॥ दमः संस्तरा ह्रीं
॥ श्री २-नेवा-महोदयः ।
V. 67. 12



Ans

24 1, 2 3 4 5 6 7 8: -

17 . 44, 15.



८८

१. विष्णु मयै वा वासि' गुरु

अघाने वाः पुर-४२: ॥

१४ ५७. १५.

तलो जाहं विफलता

गुरु हस्तैः परस्परम् ॥

१४ ५२. १५.



Ch

उत्पत्तय पुन ह्ये मे नि नी
गृह राव यः ॥

III. 51. 21.

व धा म क डि शं गृह
सा नि यं जल जले यथा ॥

III. 51. 27.



८८२

गणेश मंत्रोच्चारण

रुद्राक्ष मंत्रोच्चारण

III. 54. 6.

Ch

अथ ननु किं गुरु

हि उमेव विन शक्तिः ॥

॥ ६४.१३. ॥

Ch

ਸਤਿਗੁਰੂ ਜੀ ਸੇਵਾ
ਪਤੀ-ਪਤੀ- ਸੁਕਸਮਾ ॥
101.74.1.



Class

IL 241 - 51011 6412 641

ti - 64. 34.

Lea

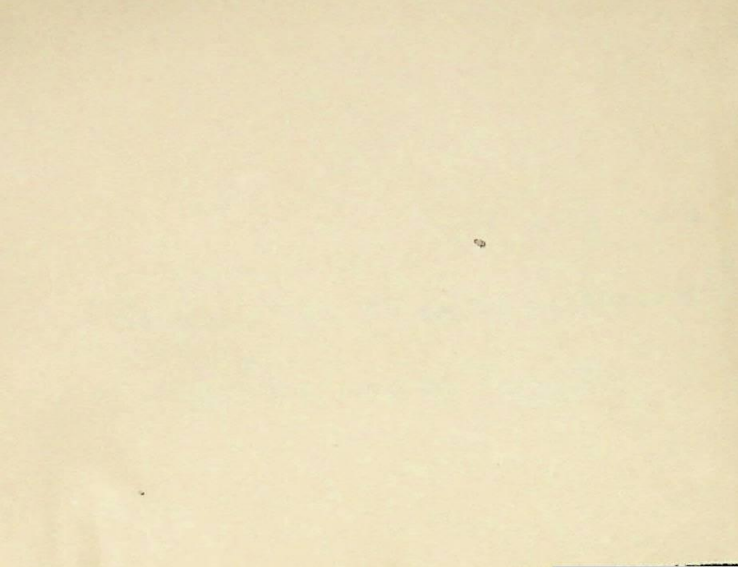
इ.स. १९०५ ए.स. १९०५

II. 84.10.

२. युद्ध परमजीतो

[illegible]

I. 29.25.



Ans

ਸੇ ੧੫੫੫ ੨੫੫੫੫ ੨੫੫੫੫

੨੫੫੫੫੫੫ ੨੫੫੫੫੫੫

I. 49.6.

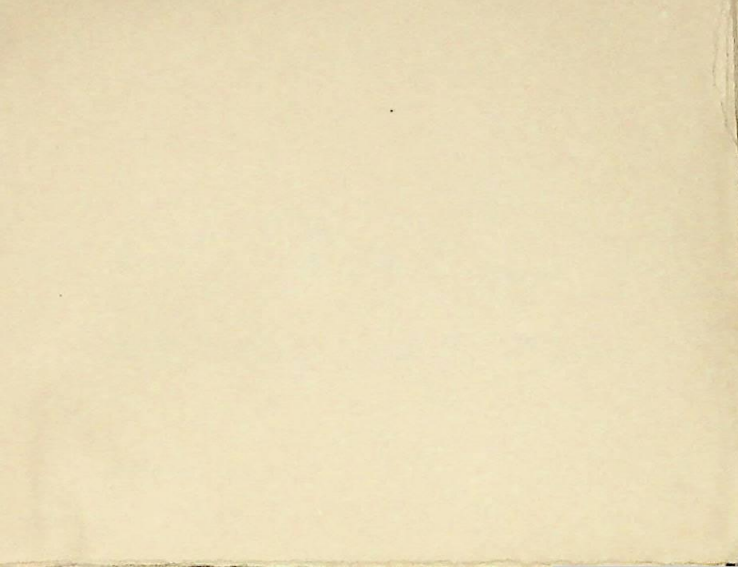


Ums

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

I. 75. 2

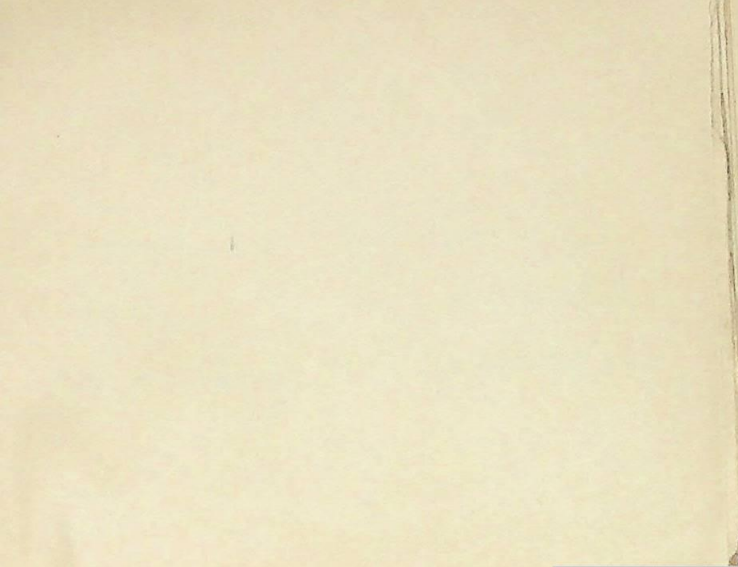


CC4

कथापूर्वः गगनहस्तात्वा

गृह्णते हस्तो न वे-रजः ।

—+ Vi. 16. 15.



leu

५२५ मे वीरवार मे ५२५

५२५ मे वीरवार मे ५२५

Vi. 22.62

Om.

ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते

सुधाकराय नमः ॥

Vi. 34.13.

len

1. 21017 4 44 41 52 4

1. 21017 4 44 41 52 4

Vo. 43.38-

Len

11-6 ca. 2000-2100

12.10.2000 2100-2200

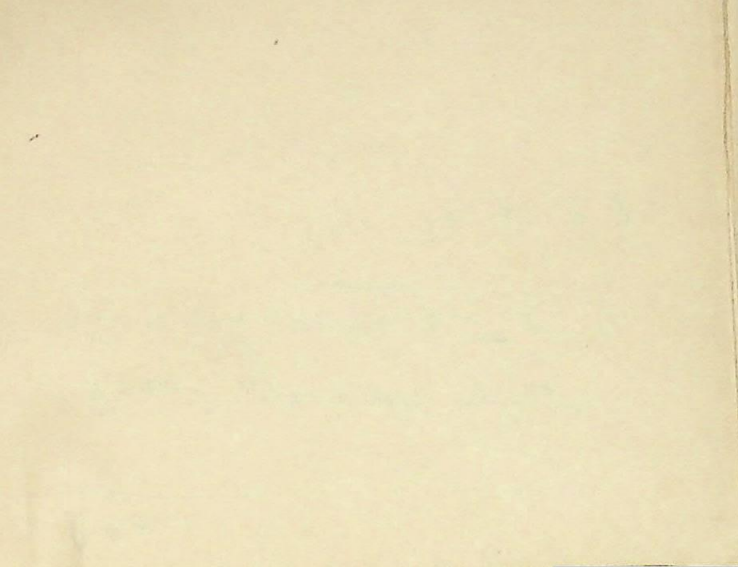
Vi. 50. 24.



2000

12101 4000 500
12101 4000 500 11

V. 4 3. 3 2.



1 cm.

ca. 5.5 cm. 1.5 cm. 2.5 cm.
1.5 cm. 2.5 cm. 3.5 cm.

Vi. 5.5 cm. 2.5 cm.

Ch

210722 ⁵/₁₁ 4233

14-1-27 53031

V. 67.43.



Chagga...

तासिं लव भरणी देवी
वा तुम्हां गुरु सावित्री

Vol. 97 49



ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ

ਪੰਨਾ ੩੨੬

Vol. 32.6

ਸਾਹਿਬ ਗੁਰੂ ਜੀ ਦੇ ਭਾਗ

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ

Vol. 32.72



ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ
ਮਹਾਰਾਜ ਦਰਸਾਨਾ

Vol. 32. 64

ਸਾਕਸ਼ੀ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਸਿਰੀਸ਼
ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ:

Vol. 32. 72



सुत वासुदेव लेख
कला, इत्यादि दशान्त
V. 32.64

रावणं गृह्यमाणं इति
गृह्यमाणः
V. 32.72

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो

ॐ नमो

ॐ नमो

paper (if used) has been burnt.

er/s and am satisfied that the paper/s is/are prescribed for the Examination of 195 , and up to the standard of the said examination. accuracy and secrecy of the said paper/s.

Signature.....*Satya Vra*.....

Paper Setter *Sanku* Paper... *III*... (C)

.....*M. A.*..... Examination, 1950

o. B.

E JOINT PAPER-SETTERS

तत्र ब्रह्माऽलक्षणी सन्त्यसंख्यानि
मूर्तिशः ।

तीन्यन्योन्यमदृष्टानि कलानीव महवने

III. 53.14.

our ancient economist and

quiet early saw the importance of
on right lines . There may have
es of crops but the country did
chronic food shortage. We have
show that even in times of
ore food than they have today.

विष्णुचिकाभिधाना च नाम्नाप्यन्यायबोधका
गिन्ध्याऽवीव देहेन शुष्काकारेण -
मुपागता ॥

III 68.3.

1

135

शिवसन्तति संपूर्ण वह द्वे तनदा-
कुलेम् ॥

पारि कुजन झङ्कार पूर्णाक्षिणी-
वनोपमम् ॥

समादाय करेणं के न पाणिना ।

तीये न शंकराभिमुखी गता ॥

रागाढ्यं पादं कृत्वा कुलेक्षणम् ।

हिहरं दुष्टमुदागता ।

यजतेनैव श्रुत्वा भी ममुपागतम् ।

प्रगृधान्या शलाकां सुष्ठु धावति ॥

न वासः पाणिनादाय सुन्दरी ।

मन्नग्ना हर दर्शनलालसा ॥

न्तमीशानं श्रुत्वा गत नम्रालसा ।

न मे देहे न मे स्थानं न मे कश्चित्समाश्रयः।
न मे कश्चाने सन्निवेशो मायामिव न पर्यवत ॥

3.71.9.

1 : 1942 : 1942 : 1942 : 1942

1942 : 1942 : 1942 : 1942 : 1942

1942 : 1942 : 1942 : 1942 : 1942

1942 : 1942 : 1942 : 1942 : 1942

1942 : 1942 : 1942 : 1942 : 1942

1942 : 1942 : 1942 : 1942 : 1942

1942 : 1942 : 1942 : 1942 : 1942

जगहुंजासहस्राणि यत्रासंख्यान्यणावणां ।

अपरस्परलग्नानि काननं ब्रह्म नाम तत् ॥ IV. 18. 6.

माया नदी जलधियो घघनाग्नि नदा है-

वृद्धाः सुरासुरशैवचलः शिलीचर्चः ।

प्रान्तैः शरासि शितशक्तिगदास्त्रशस्त्रै-

वातावकी पविनपपविदन्तरन्तः ॥ ॥ २४. २७.

11: 41-45 = 41-45: 11

Answer: $11 \frac{1}{2}$ and $15 \frac{1}{2}$

[illegible]

- 1871-1872

पुनर्नो रसतापेति जगदस्तशुभस्थिति ।

अभ्यासीभूतसंकल्पं संशुष्कमिव काननम् ॥

IV. 47. 81.

11 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

लतापुष्पफलोत्लासं प्रान्तप वमहो रुहाम् ।

विहसन्तमिवाच्छामिः पुष्पकुडालदोषितमिः ॥

IV

49.29.

11. 10. 1911. 10. 1911. 10. 1911.

11. 10. 1911. 10. 1911. 10. 1911.
11. 10. 1911. 10. 1911. 10. 1911.

नवस्तवकभाविन्या न्तयेव बनदुमाः ।

समाः समरसाः सौम्याः सततं साधुसाधवः ॥ १५ : ६१.६.

तयो रुचिच्छतीः सर्वा समीत्या तुमकष्यत ।

मन्दवातपरा मृष्टा नलिनी वा लिली चना ॥ II 1. 22.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्री कृष्णाय नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

कचत्कटकमारुक्तीकृतान्योन्यतताम्बरा ।

चातव्याघृतपुष्पैव मन्दारवनमालिका ॥ P. 1. 27.

वात्परत्ना वली कैकदी पिका सरसा तिमका ।

यमाधुक्ति लती देति स वन्द्यः पुजनदुमः ॥ १ ५ ६

ता तस्य मलिनं नूनं पादपोठी पमर्दकैः ।

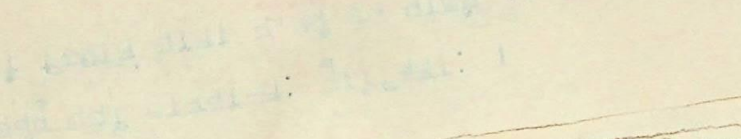
सुरैर्विषय वाशान्तो मृगरिव महावनम् ॥ [31.7.]

सुरगन्धर्वसुन्दर्यो दानवान्तः पुरोचिताः ।

वय मेरां स्थितिं याता मं जय इव पादये ॥

31.18.

3



अस्मादिदममुदेत्सुच्यैः संसाररचना चना ।

विचित्रतरंगुत्माद्या शेनादिव वनावनो ॥ ५ 34. 37.

इयमभ्युदयं याति नानादृश्यसुम जरी ।

वाचारव चरीकाद्व्या हतस्मात्कारणादुवात् ॥

34. 36.

अस्मादियमुदेत्युच्चैः संसारवनावली ।

विचित्रतरुगुल्माद्या शिलादिव वनावली ॥

II 34.37.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

तस्मादुसातलं गत्वा यथा वत्स्थापयाप्यहम् ।

स्वे कृमे दानवाघोशपूतः पुनरिव दुष्म् ॥

३४. १७.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

तस्मादुसातलं गत्वा यथा कत्स्थायया म्यहम् ।

रवे क्मे दानवा घोशमृतः पुनरिव दृषम् ॥

३४. १७.

Handwritten text in a cursive script, likely Urdu or Persian, on aged paper. The text is written in dark ink and appears to be a single line or a short paragraph. The script is fluid and characteristic of the 18th or 19th century. The paper shows signs of wear, including creases and discoloration.

बभ्रुव संप्रबुद्धात्मा दानवेशः शनैः शनैः ।

मैघा वसर उत्फुल्लकदम्ब इव कानने ॥

५. 39. 11

11. *Quercus agrifolia* Nutt. 11

10. 11. 1951

किंचिदहकुरिते चित्तं नैत्रे विकसनोन्मुखै ।

शनैर्बभूवस्तुस्तस्य प्रातर्नीले यथोत्पले ।

II. 39. 16.

பெரிய பிள்ளைகளே !

பெரிய பிள்ளைகளே !

प्राणापानपरा मृष्टा नाहो विवरसंविदः ।

वातातस्यैव पदस्य स्पन्दो स्य सजायत ॥

पृ. ३९. १७.

पुण्ये दंडे एवम् एवम् ॥

इति दंडे इति दंडे: ।

अशोक इव मज्जर्यः पुष्करावर्तविवृतः ।

न स्फुरन्ति जगत्कौशे तनुं त्यजसि किं मुधा ॥

II. 39. 30.

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ श्री गणेशाय नमः ॥

कामकोपात्मका यस्य स्फूर्जन्त्यजगरास्तनी ।

अन्तः शुष्कदुग्धस्यैव मरणं तस्य राजते ॥

II. 39. 44.

[illegible]

1871

वा ष्पश्रीर्नासुरी कर्णमि^३जरीः प्लावयिष्यति ।

वनराजिमिवोन्मत्ता सरित्त्वारतरिङ्गिणी ॥

II. 41. 38.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

२. नमो भगवते वासुदेवाय ।

कणार्पिवा ~~उ~~क्षयमानानि पवित्राणि मृदूनि च ।

मुखयन्ति गृहीतानि पुष्पाणि व वचांसि ते ॥

II. 43. 2.

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

वस्त्यस्मिन्वसुधापोठै कोसलो नाम घण्डलः ।

कल्पवृक्षावनं मेराविव रत्नगणाकारः ॥

II. 44. 3.

17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

st. su=stiaid? e/0ay ala m5a: !

बभूव परितुष्टात्मा दर्शनेन जगत्पतेः ।

दर्शनेनस्पर्शनेनिरिन्दो रुत्कुल्लमिव कैरवम् ॥

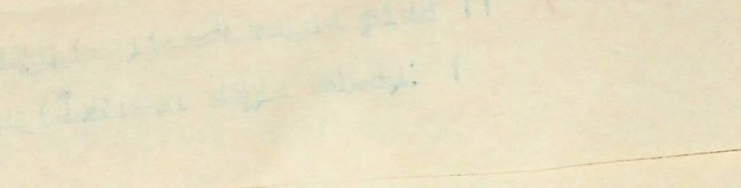
श्र. मम. 16.

11. $\frac{1}{2} \log 2 = \frac{1}{2} \log 2$

1. d_1 (1991-1992) 3. d_2 (1992-1993) 4. d_3 (1993-1994) 5. d_4 (1994-1995) 6. d_5 (1995-1996) 7. d_6 (1996-1997) 8. d_7 (1997-1998) 9. d_8 (1998-1999) 10. d_9 (1999-2000) 11. d_{10} (2000-2001) 12. d_{11} (2001-2002) 13. d_{12} (2002-2003) 14. d_{13} (2003-2004) 15. d_{14} (2004-2005) 16. d_{15} (2005-2006) 17. d_{16} (2006-2007) 18. d_{17} (2007-2008) 19. d_{18} (2008-2009) 20. d_{19} (2009-2010) 21. d_{20} (2010-2011) 22. d_{21} (2011-2012) 23. d_{22} (2012-2013) 24. d_{23} (2013-2014) 25. d_{24} (2014-2015) 26. d_{25} (2015-2016) 27. d_{26} (2016-2017) 28. d_{27} (2017-2018) 29. d_{28} (2018-2019) 30. d_{29} (2019-2020) 31. d_{30} (2020-2021) 32. d_{31} (2021-2022) 33. d_{32} (2022-2023) 34. d_{33} (2023-2024) 35. d_{34} (2024-2025) 36. d_{35} (2025-2026) 37. d_{36} (2026-2027) 38. d_{37} (2027-2028) 39. d_{38} (2028-2029) 40. d_{39} (2029-2030) 41. d_{40} (2030-2031) 42. d_{41} (2031-2032) 43. d_{42} (2032-2033) 44. d_{43} (2033-2034) 45. d_{44} (2034-2035) 46. d_{45} (2035-2036) 47. d_{46} (2036-2037) 48. d_{47} (2037-2038) 49. d_{48} (2038-2039) 50. d_{49} (2039-2040) 51. d_{50} (2040-2041) 52. d_{51} (2041-2042) 53. d_{52} (2042-2043) 54. d_{53} (2043-2044) 55. d_{54} (2044-2045) 56. d_{55} (2045-2046) 57. d_{56} (2046-2047) 58. d_{57} (2047-2048) 59. d_{58} (2048-2049) 60. d_{59} (2049-2050) 61. d_{60} (2050-2051) 62. d_{61} (2051-2052) 63. d_{62} (2052-2053) 64. d_{63} (2053-2054) 65. d_{64} (2054-2055) 66. d_{65} (2055-2056) 67. d_{66} (2056-2057) 68. d_{67} (2057-2058) 69. d_{68} (2058-2059) 70. d_{69} (2059-2060) 71. d_{70} (2060-2061) 72. d_{71} (2061-2062) 73. d_{72} (2062-2063) 74. d_{73} (2063-2064) 75. d_{74} (2064-2065) 76. d_{75} (2065-2066) 77. d_{76} (2066-2067) 78. d_{77} (2067-2068) 79. d_{78} (2068-2069) 80. d_{79} (2069-2070) 81. d_{80} (2070-2071) 82. d_{81} (2071-2072) 83. d_{82} (2072-2073) 84. d_{83} (2073-2074) 85. d_{84} (2074-2075) 86. d_{85} (2075-2076) 87. d_{86} (2076-2077) 88. d_{87} (2077-2078) 89. d_{88} (2078-2079) 90. d_{89} (2079-2080) 91. d_{90} (2080-2081) 92. d_{91} (2081-2082) 93. d_{92} (2082-2083) 94. d_{93} (2083-2084) 95. d_{94} (2084-2085) 96. d_{95} (2085-2086) 97. d_{96} (2086-2087) 98. d_{97} (2087-2088) 99. d_{98} (2088-2089) 100. d_{99} (2089-2090) 101. d_{100} (2090-2091) 102. d_{101} (2091-2092) 103. d_{102} (2092-2093) 104. d_{103} (2093-2094) 105. d_{104} (2094-2095) 106. d_{105} (2095-2096) 107. d_{106} (2096-2097) 108. d_{107} (2097-2098) 109. d_{108} (2098-2099) 110. d_{109} (2099-2100) 111. d_{110} (2100-2101) 112. d_{111} (2101-2102) 113. d_{112} (2102-2103) 114. d_{113} (2103-2104) 115. d_{114} (2104-2105) 116. d_{115} (2105-2106) 117. d_{116} (2106-2107) 118. d_{117} (2107-2108) 119. d_{118} (2108-2109) 120. d_{119} (2109-2110) 121. d_{120} (2110-2111) 122. d_{121} (2111-2112) 123. d_{122} (2112-2113) 124. d_{123} (2113-2114) 125. d_{124} (2114-2115) 126. d_{125} (2115-2116) 127. d_{126} (2116-2117) 128. d_{127} (2117-2118) 129. d_{128} (2118-2119) 130. d_{129} (2119-2120) 131. d_{130} (2120-2121) 132. d_{131} (2121-2122) 133. d_{132} (2122-2123) 134. d_{133} (2123-2124) 135. d_{134} (2124-2125) 136. d_{135} (2125-2126) 137. d_{136} (2126-2127) 138. d_{137} (2127-2128) 139. d_{138} (2128-2129) 140. d_{139} (2129-2130) 141. d_{140} (2130-2131) 142. d_{141} (2131-2132) 143. d_{142} (2132-2133) 144. d_{143} (2133-2134) 145. d_{144} (2134-2135) 146. d_{145} (2135-2136) 147. d_{146} (2136-2137) 148. d_{147} (2137-2138) 149. d_{148} (2138-2139) 150. d_{149} (2139-2140) 151. d_{150} (2140-2141) 152. d_{151} (2141-2142) 153. d_{152} (2142-2143) 154. d_{153} (2143-2144) 155. d_{154} (2144-2145) 156. d_{155} (2145-2146) 157. d_{156} (2146-2147) 158. d_{157} (2147-2148) 159. d_{158} (2148-2149) 160. d_{159} (2149-2150) 161. d_{160} (2150-2151) 162. d_{161} (2151-2152) 163. d_{162} (2152-2153) 164. d_{163} (2153-2154) 165. d_{164} (2154-2155) 166. d_{165} (2155-2156) 167. d_{166} (215

बभूव परितुष्टात्मा दर्शनैव जगत्पतेः ।

दर्शनस्पर्शनैरिन्द्रो रत्नफुल्लमिव कैरवम् ॥ V. 44. 16.



अग्निः कुण्डप्रविष्टानां मन्त्रिणां भृत्यरीदनैः ।

रुदत्तकुन्दहृत्तरमरण्यामिव मारुतैः ॥ ४६. ३५.

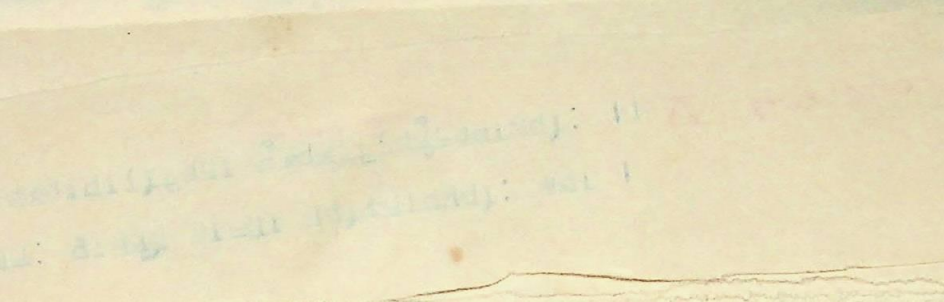
ततः प्रावर्तते शान्ता तयोस्तापसयोः कथा ।

स्वव्यापारोचिता पुष्पश्री रिवर्तुत्वमाशयोः ॥ V. 47. 20.

11
1

॥ क्वचिद्वृत्तिनिजा चारं भूतमण्डलमागतः ।

रूपः कण्टकाश्रयैकः कार जमिव काननम् ॥ V. ४७. ४०.



नृचैश्वर्यनिजा चारं भूतमण्डलमागतः ।

रामः कण्टकाश्रयैकः कार जमिव काननम् ॥ V. 47. 40.

यस्य वृद्धस्य तत्सर्वं कलत्रं पृत्युराच्छिन्नम् ।

अद्वैतः पुष्पफलोपेतं दावी वनमिवाननः ॥

५

47. 59

शान्तापिरवधूयन्ते बालव्यजनराजयः ।

इमास्ता वनवल्गोपिदोष्यमाना इवर्दयः ॥ ५ ४२. २४

चित्रे वृत्तान्तलक्षाणि संस्थितान्यात्तवाप्तने ।

पादपे फलपुष्पाणि मूलान्तावनाविव ॥ II 48. 5-6.

[Faint handwritten text]

चित्रे वृत्तान्तलक्षाणि संस्थितान्यात्तवासने ।

पादपै फलपुष्पाणि मूलान्तावनाविव ।।

V. 48. 54.

॥ प्रत्यक्षं च तद्विषयं विवेकानन्दः ॥

॥ तद्विषयं च तद्विषयं विवेकानन्दः ॥

यदेव ते मनोमात्रे सहस्रा प्रतिभासते ।

तरु रु च्वजनेनेव तेनैवाकृष्यते दाणात् ॥

II. 49. 39.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गाघिर्विवेकवशजं वराग्यपदमागतः ।

शरत्समयपर्यन्ते वरस्यमिव पादपः ॥

V. 49. 43.

4. 5. 6. 6.

11:00 AM: 11:00 AM

11:00 AM: 11:00 AM

मतेदापां चकतटोपवेशं

विश्रान्तिर्षी स्वेष्वसमर्थमुगृप् ।

आलोकनोत्कं युजनकृमा व्र

खण्डस्य चण्डं सुखदः खगण्डम । । ५ ५० ६६

इति पर्याकुलस्यान्तः स खलु ध्यानवृत्तिषु ।

दरीष्वन्वहमुग्रासु वातमग्न इव दृमः ॥

VI. 51. 45.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

चित्ते दासिणि संदतिणो देहो क्षामूलितो भवेत् ।

वर्धमाने तुरुरिव शतशाखः प्रवर्तते ॥

II. 53. 65.

11. 11. 11

11. 11. 11

11. 11. 11

तत्पदं साधवः प्राप्य दृश्यदृष्टिमिमां पुनः ।

नायान्ति खदिरोद्यानं लव्यचैत्ररथा इव ॥

V. 54. 71.

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or header.



Handwritten text in Devanagari script, likely a line of verse or a section header.

Handwritten text in Devanagari script, likely a line of verse or a section header.

गृहमेव गृहस्थायां सुसमाहितचेतसाम् ।

शान्ता हं कृतिदोषाणां विजन वनभूषयः ॥ V 56. 22

1890



11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

यथा विपणिक्कालोक्का विहरन्तो प्यसत्समाः ।

असंबन्धा तथा जस्य गामोपि विपिनोपमः ॥ IV . 56 . 30 .

विवेका वस्थया चेतस्तथैवायाति निर्वृतिम् ।

पतच्छुक्ले दृढतृणापचया लम्बनादिव ॥

VI . 61 . 3.

11 11

1. 1917-1918. 1919-1920. 1921-1922. 1923-1924. 1925-1926. 1927-1928. 1929-1930. 1931-1932. 1933-1934. 1935-1936. 1937-1938. 1939-1940. 1941-1942. 1943-1944. 1945-1946. 1947-1948. 1949-1950. 1951-1952. 1953-1954. 1955-1956. 1957-1958. 1959-1960. 1961-1962. 1963-1964. 1965-1966. 1967-1968. 1969-1970. 1971-1972. 1973-1974. 1975-1976. 1977-1978. 1979-1980. 1981-1982. 1983-1984. 1985-1986. 1987-1988. 1989-1990. 1991-1992. 1993-1994. 1995-1996. 1997-1998. 1999-2000. 2001-2002. 2003-2004. 2005-2006. 2007-2008. 2009-2010. 2011-2012. 2013-2014. 2015-2016. 2017-2018. 2019-2020. 2021-2022. 2023-2024. 2025-2026. 2027-2028. 2029-2030. 2031-2032. 2033-2034. 2035-2036. 2037-2038. 2039-2040. 2041-2042. 2043-2044. 2045-2046. 2047-2048. 2049-2050. 2051-2052. 2053-2054. 2055-2056. 2057-2058. 2059-2060. 2061-2062. 2063-2064. 2065-2066. 2067-2068. 2069-2070. 2071-2072. 2073-2074. 2075-2076. 2077-2078. 2079-2080. 2081-2082. 2083-2084. 2085-2086. 2087-2088. 2089-2090. 2091-2092. 2093-2094. 2095-2096. 2097-2098. 2099-2100. 2101-2102. 2103-2104. 2105-2106. 2107-2108. 2109-2110. 2111-2112. 2113-2114. 2115-2116. 2117-2118. 2119-2120. 2121-2122. 2123-2124. 2125-2126. 2127-2128. 2129-2130. 2131-2132. 2133-2134. 2135-2136. 2137-2138. 2139-2140. 2141-2142. 2143-2144. 2145-2146. 2147-2148. 2149-2150. 2151-2152. 2153-2154. 2155-2156. 2157-2158. 2159-2160. 2161-2162. 2163-2164. 2165-2166. 2167-2168. 2169-2170. 2171-2172. 2173-2174. 2175-2176. 2177-2178. 2179-2180. 2181-2182. 2183-2184. 2185-2186. 2187-2188. 2189-2190. 2191-2192. 2193-2194. 2195-2196. 2197-2198. 2199-2200. 2201-2202. 2203-2204. 2205-2206. 2207-2208. 2209-2210. 2211-2212. 2213-2214. 2215-2216. 2217-2218. 2219-2220. 2221-2222. 2223-2224. 2225-2226. 2227-2228. 2229-2230. 2231-2232. 2233-2234. 2235-2236. 2237-2238. 2239-2240. 2241-2242. 2243-2244. 2245-2246. 2247-2248. 2249-2250. 2251-2252. 2253-2254. 2255-2256. 2257-2258. 2259-2260. 2261-2262. 2263-2264. 2265-2266. 2267-2268. 2269-2270. 2271-2272. 2273-2274. 2275-2276. 2277-2278. 2279-2280. 2281-2282. 2283-2284. 2285-2286. 2287-2288. 2289-2290. 2291-2292. 2293-2294. 2295-2296. 2297-2298. 2299-2300. 2301-2302. 2303-2304. 2305-2306. 2307-2308. 2309-2310. 2311-2312. 2313-2314. 2315-2316. 2317-2318. 2319-2320. 2321-2322. 2323-2324. 2325-2326. 2327-2328. 2329-2330. 2331-2332. 2333-2334. 2335-2336. 2337-2338. 2339-2340. 2341-2342. 2343-2344. 2345-2346. 2347-2348. 2349-2350. 2351-2352. 2353-2354. 2355-2356. 2357-2358. 2359-2360. 2361-2362. 2363-2364. 2365-2366. 2367-2368. 2369-2370. 2371-2372. 2373-2374. 2375-2376. 2377-2378. 2379-2380. 2381-2382. 2383-2384. 2385-2386. 2387-2388. 2389-2390. 2391-2392. 2393-2394. 2395-2396. 2397-2398. 2399-2400. 2401-2402. 2403-2404. 2405-2406. 2407-2408. 2409-2410. 2411-2412. 2413-2414. 2415-2416. 2417-2418. 2419-2420. 2421-2422. 2423-2424. 2425-2426. 2427-2428. 2429-2430. 2431-2432. 2433-2434. 2435-2436. 2437-2438. 2439-2440. 2441-2442. 2443-2444. 2445-2446. 2447-2448. 2449-2450. 2451-2452. 2453-2454. 2455-2456. 2457-2458. 2459-2460. 2461-2462. 2463-2464. 2465-2466. 2467-2468. 2469-2470. 2471-2472. 2473-2474. 2475-2476. 2477-2478. 2479-2480. 2481-2482. 2483-2484. 2485-2486. 2487-2488. 2489-2490. 2491-2492. 2493-2494. 2495-2496. 2497-2498. 2499-2500. 2501-2502. 2503-2504. 2505-2506. 2507-2508. 2509-2510. 2511-2512. 2513-2514. 2515-2516. 2517-2518. 2519-2520. 2521-2522. 2523-2524. 2525-2526. 2527-2528. 2529-2530. 2531-2532. 2533-2534. 2535-2536. 2537-2538. 2539-2540. 2541-2542. 2543-2544. 2545-2546. 2547-2548. 2549-2550. 2551-2552. 2553-2554. 2555-2556. 2557-2558. 2559-2560. 2561-2562. 2563-2564. 2565-2566. 2567-2568. 2569-2570. 2571-2572. 2573-2574. 2575-2576. 2577-2578. 2579-2580. 2581-2582. 2583-2584. 2585-2586. 2587-2588. 2589-2590. 2591-2592. 2593-2594. 2595-2596. 2597-2598. 2599-2600. 2601-2602. 2603-2604. 2605-2606. 2607-2608. 2609-2610. 2611-2612. 2613-2614. 2615-2616. 2617-2618. 2619-2620. 2621-2622. 2623-2624. 2625-2626. 2627-2628. 2629-2630. 2631-2632. 2633-2634. 2635-2636. 2637-2638. 2639-2640. 2641-2642. 2643-2644. 2645-2646. 2647-2648. 2649-2650. 2651-2652. 2653-2654. 2655-2656. 2657-2658. 2659-2660.

सर्वस्याह्लादनी शान्ता मैत्री परमपावनी ।

अम्युदेति हृदो हृद्या सुतरोरिव य जरी ॥

५ . ४३ . १४ .

ਅੰਤਿਮ ਸ਼ਾਂਤੀ ਦੇ ਸਮੇਂ ਹੋਵੇ ।

ਅੰਤਿਮ ਸ਼ਾਂਤੀ ਦੇ ਸਮੇਂ ਹੋਵੇ ।

भूतपञ्चकसंपिण्डाद्विचिता जनताः पृथक् ।

एकस्मादैव विटपाद्विचित्रा इव पुत्रिकाः ॥

५ . १२ . ४ .

11: 20: 11

शासनापुष्पमाराय नमो दुष्कृतशास्त्रिणे ।

येनैसाधं चिरं बहू यो मुक्ताः प्राकृतयो नयः ॥

~~IV~~ 86.43.

प्रोत्फुल्लकिंशुकैषा

दक्षिणाजलधेस्तटे त्र वनराजो ।

ज्वलितैव जलतरङ्गैः

पानः पुन्येन सिच्यते म्बुधिना ॥ vi (ii) 115-37

बालः क्रिया च भुवनं भवनं चिराय

नामाधितिष्ठत इवोपवनं विक्रासि ।

आशङ्कयते प्रतिदिनं ननु नष्टमेव

नाथापि नश्यति च केयमहो नु माया ॥ ४१ (ii) ॥ ६.२३

वा न विदुः वधसं वित्वा दपूर्वे वसुधा तलम् ॥

अपूर्वा नगरा मशैला विक्व नमण्डलीः ।

VI (ii) 145. 35.

add, and find the total to pay: |

1870

वा न विदुः विसंविता दपूर्वे वसुधा तलम् ।।

अपूर्वा नगरा मरैला विधवन मण्डनीः ।। Vi(ii) 145. 35

11 11 11 11 11 11 11 11 11 11

11 11 11 11 11 11 11 11 11 11

11 11 11 11 11 11 11 11 11 11

11 11 11 11 11 11 11 11 11 11

सुरासुरनराधारगर्भगर्भमनोहरम् ।

पृथक्कोष्ठस्थवीजौ वसंपूर्णमिव दाडिमम् ॥ VI (ii) 147. 14.

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

11/17/1892

Handwritten text on a musical staff, likely a continuation of the previous page, showing notes and a treble clef.



Doubles

गुहः सन्नायलन्ता हो
राधवो वाक् य म ज्ञेनी व ॥

II. 51. 1.



Double,

गुहः सन्नायलन्ता हो
राधव वाव २० म जेनी व ॥

II. 51. 1.

Devala

(१८) अत्र विद्यते विना

चिन्तायित्वा

महामतिः।

V. 31.1.



Doubles.

ततो अत्र विधां चिन्तां
चिन्ताया मा ल नान्तः॥

V. 30. 2.

Doubles

महु प्रवारे वि वि धे व र
सं सार सं सारैः।

V. 11. 21.

दीवुल्ले

। शिष्टि तान् गज शिष्टि तान्
ऐरावत समानं सुखं ॥

V. 6. 32.

Don't read,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

18. 65.11.



Donor's.

२ श्रीगुरुं वं
एवं यस्तं यजत यस्तं
एवं वेदवचं सुखमा -
॥ इति ॥

Vii. 30. 47.





Don't forget

गौरीगंगा-प्रतिष्ठापन

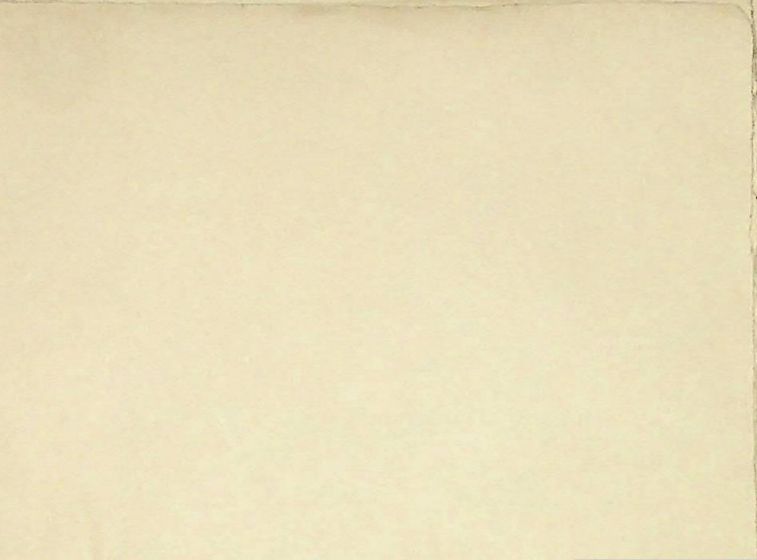
II. 25.38

Doublets

मत्तं मत्तं ॥ इति ते ॥ इति त्वा
न मां तं ॥ इति ते ॥

II. 52. 58.

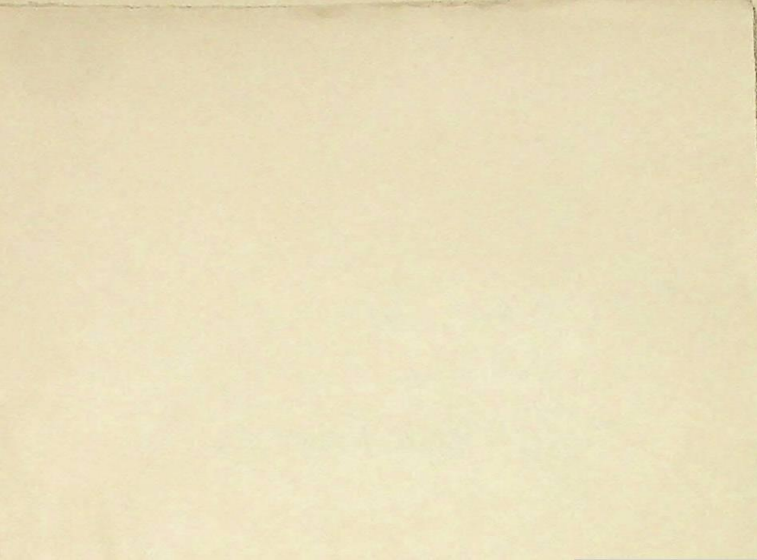
Double Text



Doublet

गङ्गादिनी

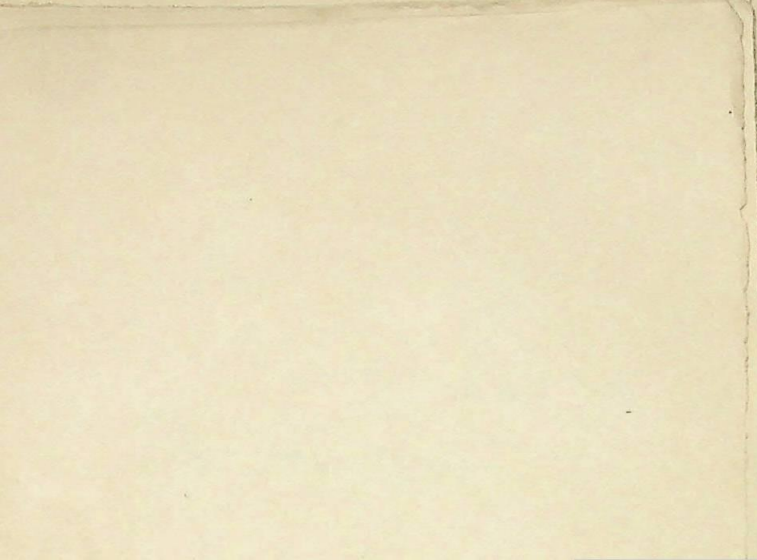
II. 79. 12



Doublet

पुनरावृत्ति

II. 73. 17



Doubles.

~~1 of 2 1-3 4 5 6 7 8 9~~

II 1, 24.



Donor

214 ਗੁਰਮਤਿ ਰੰਗ ਸਿੰਘ
ਵਿਸਾਖਾਪੁਰ ਜਿਲਾ

T. 3-17.

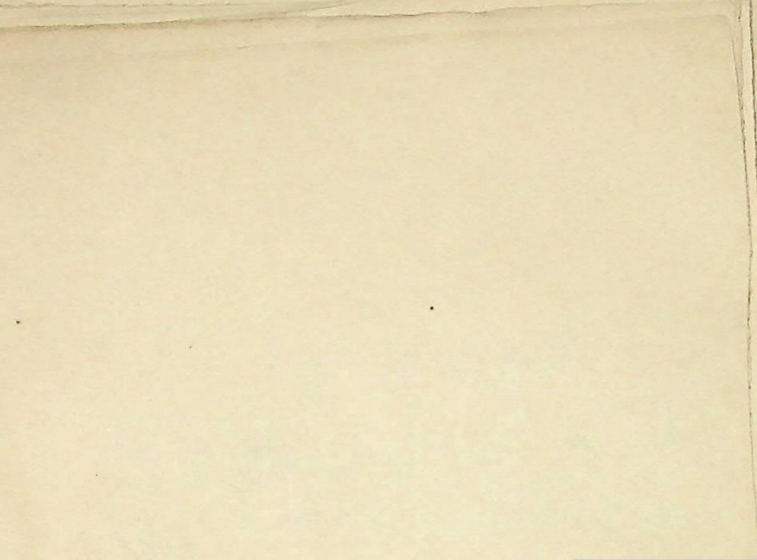


Doublets.

१२। ५५४२ सा लि मा वा ण

५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

V¹. 128.1.



I should

1. 1st - 1st 1st 1st 1st

~~1st 1st 1st 1st~~

1st 1st 1st 1st 1st

1st 1st 1st:

V. 111. 113.



| | | |
|---------|---------------|----|
| 31.8.21 | क न प म ड ड न | ३० |
|---------|---------------|----|

(१४५)

स्तत्रार्थिनी पृथग्मंडं पारंपूरयार्थम् ।

अङ्गीकृतार्थमददत्क इवास्ति लोके

दोषेण संप्रत्यकरेण न युज्यते यः ॥

III. 78. 44.

any alms but cannot return home empty
beyonding his wife who had given defini-
trary. He on his way back home sees
it up and brings it home. He

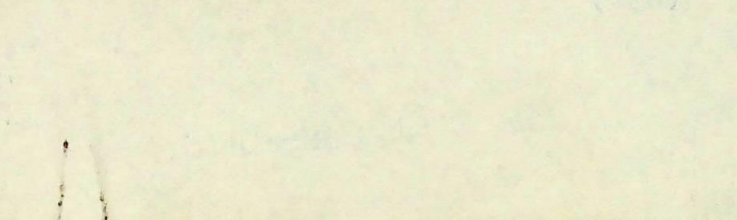
अलातचक्र (आवर्त)

(१६४)

येनाथ गाधिराघिमवप्रमात् ।

कुलोमावो वैलावर्त हवा म्बुधेः ॥

V. 47. 1.



मुहूर्तं द्वितयेनाथ गाधिराधिमवप्रमात् ।

प्रशशा माकुलीमावो वेलावर्त हवा म्बुधेः ॥

V. 47. 1.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

इति दोषायितं चेतो न विश्रामं भूयतेः ।

एकत्रा म्बुषहा वर्तते चिरतृष्णापिव भ्रमत् ॥

५४ २०.

॥ तस्यै नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

इति दोषायितं चेत् न विश्रामं भूयतेः ।

एकत्रा मृषहा वर्तते चिरतृष्णापिव प्रमत् ॥

V. 58. 20.



return. The first one

atmosphere, a change in the

the leaves of the trees,

chicko. When there were

ज्वाला जालनवोद्धी तिमण्डले र खिलेनमः ।

अलातचक्रवच्चारु केवलं प्रान्तवानहम् ॥ VI (11) 141. 2

the

... ..

... ..

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(२०)

१११ ० ० ० ० ० ० ० ०
तदन्ता पारपृच्छामि किञ्चित्सिद्धं हुमात्पि।

प्राप्तं प्राप्य न पृच्छन्ति ये किञ्चित्तेनराधमाः॥

represented as sleeping. Her image
'ka'. (pleasantly sleeping Lakshmi).

the chain of festivals is known as

प्रवाचिदुंकारकांकाररहृगारनिकराञ्चरः ।

किंकरिर्विकरत्यक्तौ मुखसंसर्गवानिव ॥

५१ (ii) ॥ ५१

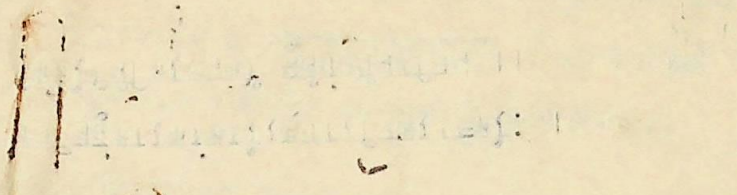
represented as sleeping. Her image
' (pleasantly sleeping Lakshmi).

the chain of festivals.

प्रवाचि वहुंकारकांकारां रहगा रनिकराञ्करः ।

किंकरां विंकिरत्यक्तां पूर्वसंपूर्णवानिव ॥

✓ (11) 115-3



1797



सुहासवस्य

सुहासवस्य रुढायामातिवाहिरुहंविदि
देहे विरुहति मायाति गर्भसंस्थेव
यौवने ॥

III. 58. 16.

with the second finger of the

left hand a trident in hand is

at is observed for three days

गर्भाक्रान्त्या द्विधा जगुमुब्रह्मावतानीव

॥१९७८॥

VI (i) 19-16.

substance. Moreover, the capacity

ted to the production of an

specific action, viz., solar motion.

सिकता $\frac{9}{4}$ तला

(108)

(86)

of the new standard

(Panama Canal)

Vol. III. Pl. 35.

related as prior and posterior. There

in process parallelly /
with some parallelly //

ततः प्रभृति भावानां सकारणकतां विना ।

सकलनदिव तैलानां न संभवति संभवः ॥

V (ii) 144.

21 July 1941: 11

22 July 1941: 11

त्वष्टा (Ca spenter)

शुद्धं मे निर्मलं चेतस्त्वष्टा

यन्त्रभ्रमादिव ।

सर्वविचारोपदेशेषु प्राप्तप्रोक्तेषु साधुभिः ।

VI (ii) 43. 26.



Almagest Tables

तुल्य सन्तरतः लुप्य

उत्पन्नान् शोधितान्

V. 22.3.

9. 11. 1900

मा. से वापस मा. मां
ल. से: कु. वा. नि. वा. ल. मा.

IV. 17. 22

Maxim

उपनिषद् एवम् -
इति सप्तमः अध्यायः

IV. 2. 116.



9 asom

३,५ ला नी व सत्त्वानि
व मू वरमनादि नाम्ना

II. ५४. २.



१ वंदन .

महेश्वरि जी वामो
अला नमस्तमा विबोद्धौ ॥

II. 53. 31.

Idioma.

परिग्रह माले राजश्री लो-
रिवादाधिवा जले ॥

II. 81.6.

Idiom

विषय थे महत्सुखी उद्योग
तुम्हें व सुचिन्ता ॥
II. 75. 17

Jaica

दुःखे मे दुःख मन्दरोः
बुजे शारमिवा ददाः ।

II. 73. 3.

c

Maxian

न विष्णु मन्त्र मन्त्र मन्त्र
मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र ॥

III. 16.34.



Indica

विहीन माया एकेन
दात्री न परमा मुदा ।

II. 7. 10.



Maxon

उत्तरी रेखा, ऊँचे: पादाल
विजा. कालि - सं २१५. ||

V. ५२



पुस्तक संख्या : १२३४
गो-कुली गाँव

Vi. 126. 12



७
८। १५५० साला ५५० ग ५५०

५५० नको व न मो ५५०

॥ ६९.१९



Sydney

॥ रामानुज मातुल्य

चरितम् गतेन अने ॥

IV 14.1.



॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ श्री गणेशाय नमः ॥

IV 14.1.

IV 16.11



१. गिरि मि मे च गगन मे
ल व न ल ल व र च ॥

IV. ५०. २९.



Synonym

इष्टं, मित्रं जगत्सु सदा भवति।
२०

इष्टं मालम्ब्य तदा सदा भवति।

वरं मालम्ब्य तदा सदा भवति।

युष्मन्मालम्ब्य तदा सदा भवति।

IV. 33. 23.

वमेव मे सुहृन्ति चं
स्वाहा ॥

IV. 39. 5.



५३३

22 141 13 2 144 170 201

IV. 32-4.



संस्कृत

महत्सु तस्मै शैलेषु

पर्वतेषु गृहासु च ।

विनिवृत्त महामागा

राम पत्नी मानि । दिताम् ।

15. 4 3. 15.

प्रादिव्योऽलौ स ह्यंशः
 युष्मादिनिमित्तं नमः ॥
 १५. ३९. २

15. 39.2

उपनिषद्

सर्वे यत्ते वाच्यं दत्ताः
नाशं नैवा विनेतुम्।
संयुक्ता इव उल्लेख
तमजान्ते राघवं तदा॥

U. P. 40.29

सुप्रसन्न

मुमो न लक्ष्मं मल्लिका -
मि श्रीति लः

II. 51. 27

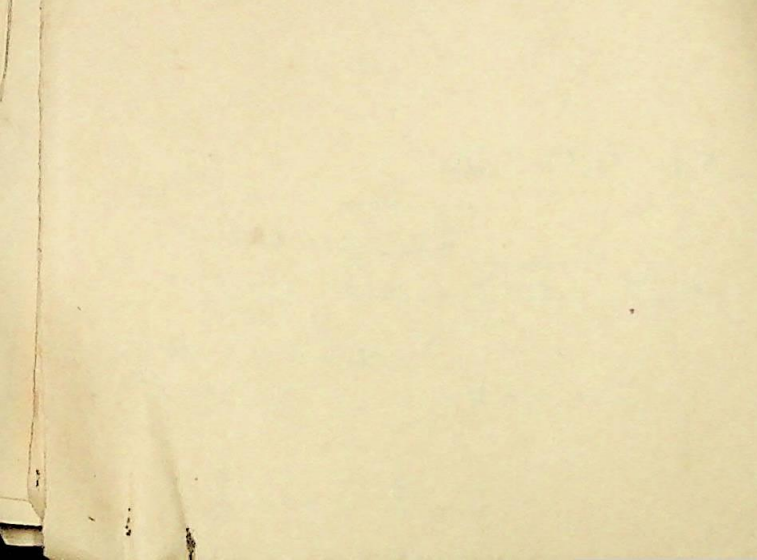


स गुरु तसि व दयाला
आठपपपपपुले दयाला
Vi. 100. 3 P.

मं हे च एतत्तुं हरेत्
उत्तर मं ३५

वि. ११५. २५.





Pyropus

हरे नमो हरि नमो २-४

२५ नवंबर २०११ महराष्ट्र

46.40.



Py nongun

हरे नमो स्तुतंगे २-व

मनाये २-व महरये।

५. ५६. ५०.



Semantics

दान वेन्दो महा का हो

वी को। हिनो गुलन दः।

Vi. 7. 8.

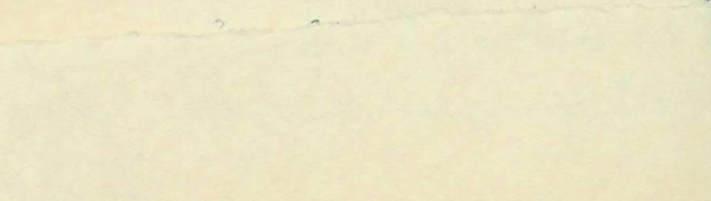
घृणा निन्दितो व इवा नन्दो मन्दो भूतपुनर्मैव

अनुपादेयबुद्ध्या तु न स्मरत्यकृतं कृतम्

செய்து கொடுத்திருக்கிறேன்

அதற்குரிய பணியை







(৯৯৯)







33)

• *[Faint handwritten text]*

[Faint handwritten text]

इति धः (कृष्णस्य इति)

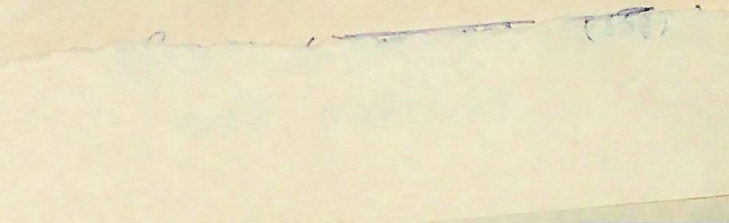
उपलब्ध उत्कीर्ण इव .

(१३६)

इतिः (कलकत्ता इतिः)

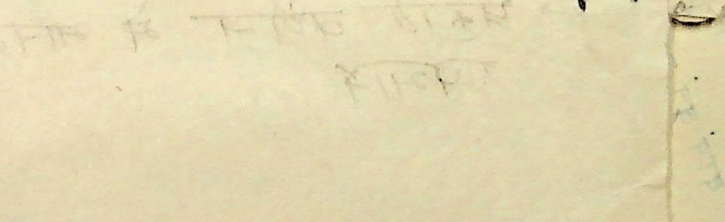
उपनी उकीर्ण इव .

(१२६)





(୨୧୦)



प्रकृति वर्णन में भाषावीय
उपमान

hājasūya sacrifice,

a supreme sovereign

and his tributary p.

VI TARA

प्रकृति वर्णन में भाषावीय
उपमान

Rājāsūya sacrifice,

a supreme sovereign

and his tributary p

TAKA — — — — —



12/1

4151

(३६)

(१६५)

०५५०

(१५५)

0.15 to

(0.15)

(388)

पर्वत (H)

He He

ed by the fact that
of their name and h
None of their recor
speak of their sout
their Sanskrit and
those used in Palla

१०६०५१:

८५५ (II)

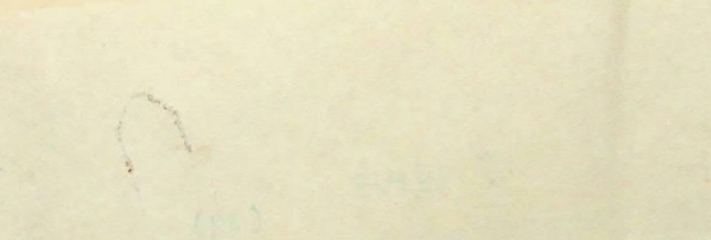
(मन की) काक से तुलना

(मन की) मर्कट से तुलना।

(२७)

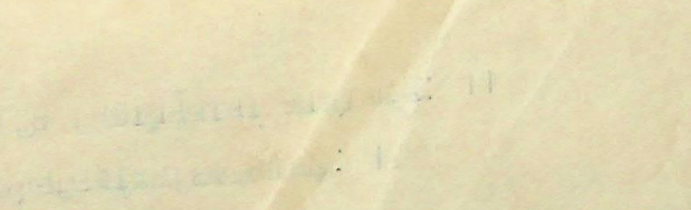
अपावः

(५५)



(१६)

अनलः

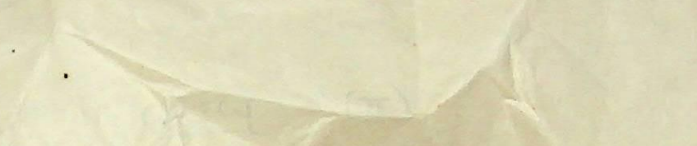


रुत्पातमैव न हर्षिदमुपि प्रकल्पगुह्यः ।

इव विज्ञातैरपि विज्ञातैर्भूतानां जायते गतिः ॥

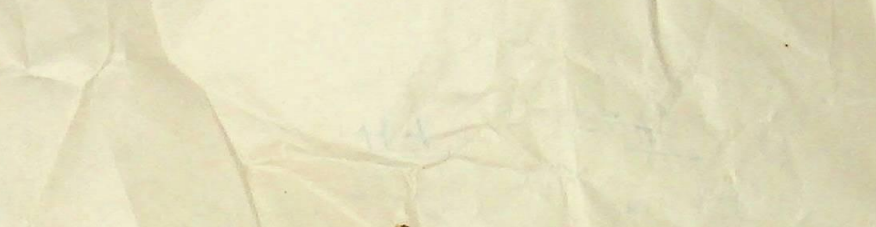
विदल

(II)



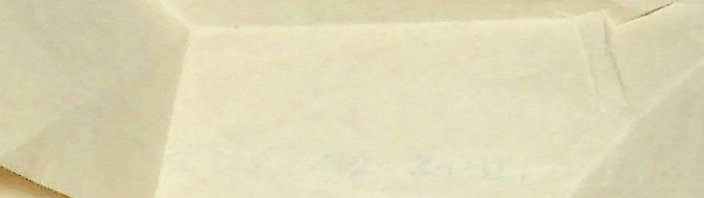
44

44

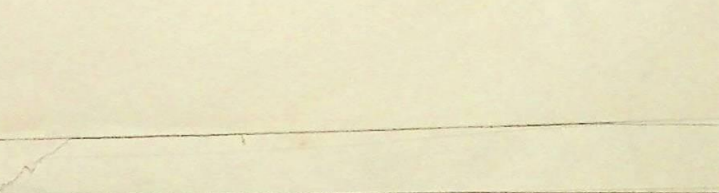




है। किसे क्या .



(३३६)



(२६२)

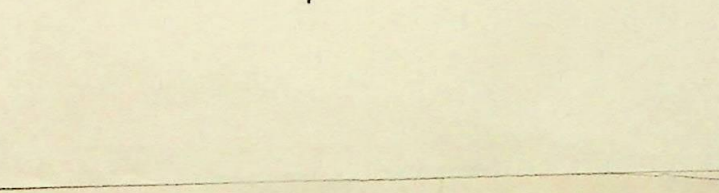
(17618)

(୧୫୫)

(३३४)

(658)





सर्वोपाभेव धर्माणां कर्मणां शर्मणावपि ।

पण्डितः पुण्डरीकाणां मार्तण्ड इव पण्डनम् ॥



वे ~~वन्धवः~~ स च ग्रामः स मृगागः स दिक्कटः ।

न जाने क्व गतं सर्वं ब्रूह्य नीतमिवानिलः ॥

VI (ii)

वे क्वचिवः स च ग्रामः स भूभागः स दिक्पटः ।

न जाने क्व गतं सर्वं ब्रूह्य नीतमिवानिर्लभः ॥

VI (ii) 140

(३३)

9
पौषारः

(338)

24

(II)

100 (100)

द्वितीय (II)

(३२९)

(७३४)

दर्शन

II

(୧୯୫)

उत्तर लक्ष्मी विषय

(१२५)

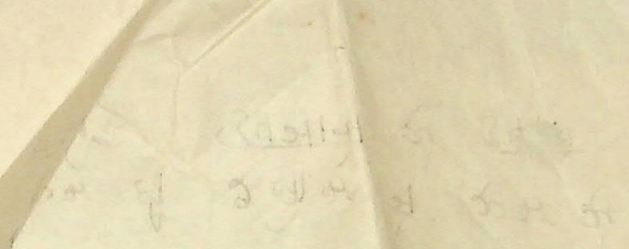
(150)

200 100 100

(द्वितीय संस्करण)

(६६)

१०० की २ लोक. में २०० से
जाधिक उपमानों से उपमा





मू चर्चाल

सु दृढ द मि ला राग -

मू चर्चाल यो रा

लो रने मी को मी द मि तु म
वाम सो राजधानी ।

मू ड. सन्देश (3)

V.1

प्रभु लालिका = प्रभु लाली

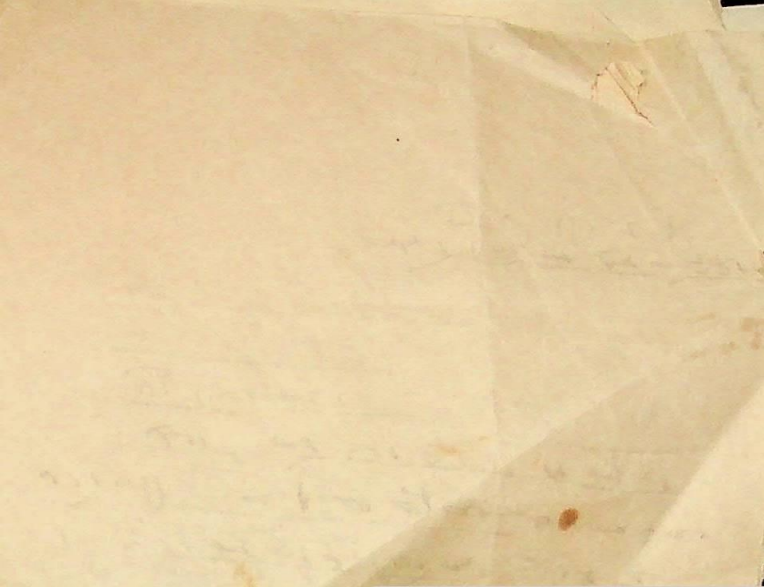
गोली - a pill of ambrosia.

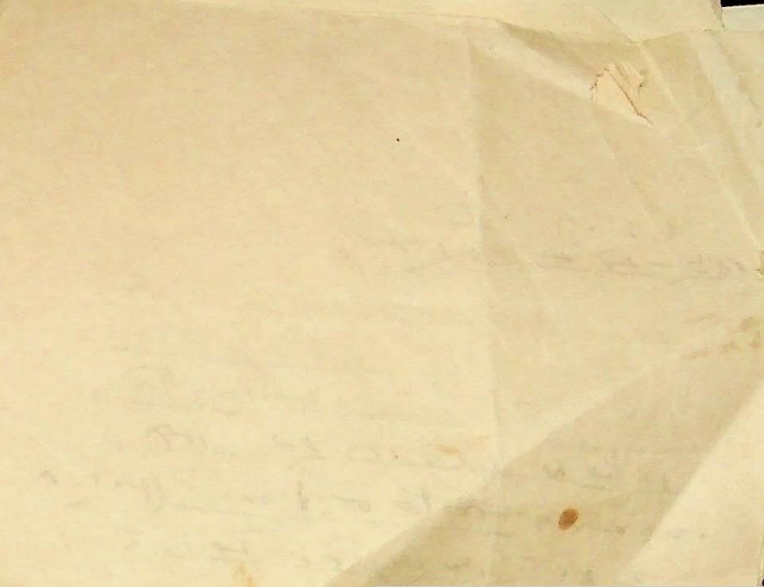
सा मे प्राणा मृत -

गुलिदा . . .

को लिल ए - दश

उ. व. १९.





Mr. Carnison

(विशाख ५६) ५३६
२५२० वि ३१ ५००० ५६ ५६ ५६
५६ (५०) ५००. २५६

तावद्

दानं कृतं सततम्

सानन्

प्राप्तोत्तमप्रकृति

सत्यम्

इति सुखं
~~सुखं सुखं सुखं~~ सि

मृत्यो

इत्युक्त्वा मधुर

My dear friend

1. I have been thinking of you
and how much I love you

IV. 7. 14.

the Pratiharas or
MAHARAJA-- Lit. 'great king'
of paramount sovereignty.
va. But, in the
habitually used
tive no doubt of
only to feudatories
dequal rank with
MAHARAJADHI-- Possibly

Maddam 2 -

4 < 421 201 21 201 21
201 21 201 21 201 21
201 21 201 21 201 21
201 21 201 21 201 21

[V. 20. 23.

explained it as being

But H. H. Wilson's "Q"

(I. E. Padr) by "con"

uncultivated". The

termination of the

39,81).

PALAKKA--Ugrasana was its

place called Palakka

Stimpfman (E. P. In

M.

२१.

२२.

२३.

२४.

iv . 27. 13.

MAHA-DANDA-NAYAKA -- Lit

title, superior
forces'. Prince
of punishments
But in inscript

MAHA-DEV-- A title of
applied also to
44,45).

MAHADHIRAJA-- A founder

Mandarin

१. फलदायिनी लाली मुद्रा
एर देश इलाहाबाद ॥

V. 46.2 १.

to be performed at the discretion of
the monarch, by the king himself.

(33).

belonging to, in Assamtsantaka,
also, the exact meaning

(36). IN 29, 1107, we have the
a fortification term, of 'Santika'.

(37).